Ref.: Date- 31/08/13

प्रति,

श्रीमान वन मंडला अधिकारी महोदय
जिला मुरैना म0 प्र0

विषय – गुग्गल परियोजना मुरैना हेतु वातावरण निर्माण के लिए परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत करने बावत्।

महोदय,

बिषयान्तर्गत निवेदन है कि सुजाग्रति समाज सेवी संस्था मुरैना विगत चौदहा बर्षो से सफलता पूर्वक कार्य कर रही है जिसमें गुग्गल का संरक्षण एवं संबर्धन कार्य आठ बर्षों से लगातार करती चली आ रही है इसीलिए आपकी गुग्गल संरक्षण एवं संबर्धन की ब्रहद् परियोजना में वातावरण निर्माण 25 गांव का कार्य हेतु परियोजना प्रस्ताव आपके अवलोकनार्थ एवं आवष्यक कार्यवाही हेतु प्रस्तुत है।

अतः आपसे विनर्मताः पूर्वक अनुरोध है कि इस पूनीत कार्य में संस्था को सहभागिता का अवसर प्रदान कराने की कृपा करें। साथ ही इस सम्बधं में कोई अन्य दस्तावेज या जानकारी की आवष्यकता हो तो अवगत कराने की कृपा करें।

अध्यक्ष
सुजाग्रति समाज सेवी
संस्था मुरैना म0प्र0

चम्बल क्षेत्र में गुग्गल के संरक्षण एवं संबर्धन हेतु जनजागरूकता तथा सुरक्षा की कार्ययोजना

सुजाग्रति संस्था मुरैना का परिचय–
संस्था का स्थापना वर्ष – 7–11–1997
पंजीकरण वर्ष – 7–1–1999
पंजीकृत कार्यालय – सहायक पंजीयक फर्म्स एवं संस्थायें, ग्वालियर
12AA no. CIT/GWL/12AA/60/10/2010-11
80G no A.A./gwL/80g/60/11/2010-11
संस्था का कार्यक्षे– सम्पूर्ण ग्वालियर चम्बल संभाग
फोन – 09826318465, 09977843980
ई–मेल – zakirhussain1965@yahoo.co.in
बैवसाईट – www.sujagriti.org
संस्था का पता – एल.आई.जी.914, न्यू हाउसिंग वोर्ड कॉलोनी, मुरैना म0प्र0, पिन कोड – 476001

सुजाग्रति संस्था द्वारा गुग्गल व जैवविविधता संरक्षण एवं संबर्धन पर किये गये कार्य–

1 एस0 जी0 पी0 के अन्तर्गत 6000 प्राकृतिक गुग्गल के पौधे एवं 5000 रोपित पौघों का संरक्षण तथा विनाषहीन पद्धति से गुग्गल गोंद प्राप्त कर संग्राहको को 300000 रू की आय अर्जित कराने में सहयोग।
2 तीस जैवविविधता प्रबंधन समितियों को क्रियाषील करना।
3. चार जैवविविधता उघान बनाये गये 1– देवपुरी उघान पिपरई पुरा द्वारा, 2– समसान घाट के पास पिपरई द्वारा, 3– खौ बाले हनुमान जी बामसौली में उघान, 4– बाबू सिंह घेर में अध्यक्ष जैवविविधता प्रबंधन समिति द्वारा।
4. बीहड क्षेत्र में ग्रामीणों के सहयोग से कटाव नियंत्रण के उपाय।
5. 8 स्वंय सहायता समूह गरीबी रेखा के नीचे की महिलाओं के बनाये गये जिन्हें लघुवनोपज से जोड़ कर उनकी आय बृद्वि की गई।

6 गुग्गल एवं सतावर के विपणन हेतु संग्राहकों तथा विपणनकर्ताओं के मध्य कडी का कार्य।
7. सी0 ई0 ई0 पुणे के सहयोग से 125 स्कूलों में पर्यावरण मित्र कार्यक्रम का सफल संचालन।
8 . गुग्गल के विनाषहीन विदोहन हेतु स्थानीय ग्रामीणों संग्राहको को प्रषिक्षण व जागरूकता कार्यक्रम।

चम्बल क्षेत्र में गुग्गल के संरक्षण एवं संबर्धन हेतु जनजागरूकता तथा सुरक्षा की कार्ययोजना

परियोजना अवधि – 2 व"र्ा वातावरण निर्माण एवं 3 व"र्ा सुरक्षा

परियोजना में गांव मुरैना जिले हेतु संख्या–25 जो निम्नानुसार है–

1 पिपरई, 2 पिपरईपुरा, 3 भानपुर, 4 जैतपुर, 5 मकसूदपुर, 6 विन्डवा, 7 हेतमपुर, 8 हेतपुरमजरा, 9 नयापुरा 10 नदुआपुरा, 11 हुसैनपुर, 12 कैंथरी, 13 कैंमरा, 14 जारै, 15 तौरोरा, 16 तुसीपुरा, 17 होलापुरा, 18 उसेद 19 रछेड 20 गोदू पुरा 21 पुराबली 22 बडापुरा 23 गढीपुरा 24 विण्डवा 25 बिजला

उद्वेष्य–

मुरैना जिले की बीहड क्षेत्रों मे उपलब्ध गुग्गल प्रजाति के पौधों के संरक्षण, संबर्धन, विनाषहीन विदोहन तथा विपणन हेतु स्थानीय संग्राहको को जागरूक करना एवं ग्रामीणों, वनविभाग तथा उपायोगकर्ता, संस्थाओं के मध्य सेतु के रूप में कार्य कर संवाहनीय उत्पादन प्राप्त कर ग्रामीण आजीविका में बृद्धि करना।

प्रस्तावित गतिविधियां–

वातावरण निर्माण – मुरैना जिले के बीहड क्षेत्र में गुग्गल प्रजाति के पौधे पाये जाते है जो इस क्षेत्र की विषि"ट प्रजाति है। विगत व"ाों में जागरूकता के अभाव में तथा बीहड के समतलीकरण के कारण इस प्रजाति के पौधों की संख्या में भारी कमी आई है अतः इस प्रजाति के संरक्षण , संबर्धन व विनाषहीन विदोहन के लिये एक कार्ययोजना तैयार कर कार्य किया जाना नितान्त आवष्यक है। इस उददेष्य को प्राप्त करने हेतु सर्वप्रथम गुग्गल बाहुल्य क्षेत्र को चिन्हांकित कर ग्रामीणों में से गुग्गल के संग्राहको, भण्डारणकर्ताओं एवं स्थानीय क्रेताओं की पहचान कर समस्त हितग्राहकों की सूची तैयार कर विवरण एक पंजी में संधारित किया जायेगा इन हितग्राहीयों के मध्य वातावरण निर्माण किया जाना बांछनीय है। यह कार्य सुजाग्रति समाज सेवी संस्था द्वारा किया जायेगा।

इसके लिये प्रषिक्षण, कार्यषालायें, रैली , नुक्कड–नाटक तथा स्थानीय कला जत्था के माध्यम से सांस्कृतिक कार्यक्रम के प्रदर्षन के द्वारा जागरूकता पैदा की जायेगी। चयनित क्षेत्र के 25 ग्रामों में समिति द्वारा दीवार लेखन के माध्यम से गुग्गल संरक्षण संवर्धन व विनाषविहीन विदोहन हेतु प्रचार–प्रसार व जनजागरूकता लाई जायेगी।

कार्य के लिये जिलावनोपज सहकारी संघ मुरैना तथा संस्था के मध्य एक समझौता पत्रक¼एम0 ओ0 यू0½ हस्ताक्षरित कर कार्य संपादित किया जायेगा। उपरोक्त कार्य व"ा 2013–14 एवं 14–15 में किया जाना प्रस्तावित है।

लोकजैवविविधता पंजीयों तथा सूक्ष्म प्रबंधन योजना का निर्माण– वातावरण निर्माण के साथ ही साथ स्थानीय ग्रामीणों से चर्चा कर प्रत्येक ग्राम के लिये लोक जैवविविधता पंजी तथा प्रत्येक वन समिति हेतु सूक्ष्म प्रबंधन योजना भी संस्था द्वारा निर्मित की जायेगी।

प्राकृतिक एवं रोपित पौधों की सुरक्षा– विभागीय रूप से की जा रही सुरक्षा के अतिरिक्त संस्था द्वारा ग्रामीणों की सहायता से वन समितियों के माध्यम

से क्षेत्र के प्राकृतिक एवं रोपित पौधों की सुरक्षा सुनिष्चित की जायेगी। इस हेतु संस्था व"ा 2014–14 के रोपण उपरान्त माह जुलाई 2014 से अगामी 3 व"ाों तक रोपण क्षेत्र तथा औ"ाधी पौधे संरक्षण क्षेत्रों के प्राकृतिक व रोपित पौधों की सुरक्षा स्थानीय ग्रामवासियों के सामूहिक प्रयासों एवं संवेदनषील क्षेत्रों में समिति के द्वारा सुरक्षा श्रमिक रखकर सम्पन्न करायेगी।

अनुश्रवण एवं मूल्यांकन – संस्था जनजागरूकता एवं सामूहिक सुरक्षा के माध्यम से गुग्गल का संरक्षण व संवर्धन सुनिष्चित करेगी। जिसके अनुश्रवण व मूल्यांकन के लिए वन@राजस्व क्षेत्रों में सैम्पल प्लॉट डालकर 6 माही गणना कराई जाएगी। उक्त गणना का प्रतिवेदन संस्था प्रबन्धक प्रबन्ध संचालक जिला यूनियन मुरैना को देगी ताकि इन कार्यों में प्रभाव का मूल्यांकन किया जा सकें। इसके अतिरिक्त मुल्यांकन के जो भी बिन्दु@मापदण्ड प्रबन्ध संचालक द्वारा तय किए जाएंगे, संस्था उन बिन्दुओं पर मूल्यांकन करवाने के लिए वाध्य होगी।

कार्यअवधि – संस्था द्वारा प्रथम दो व"ा 2013–14 एवं 2014–15 में वातावरण निर्माण व जनजागरूकता का कार्य किया जाएगा। साथ ही दीवार लेखन तथा सूक्ष्म प्रबन्ध योजना@ लोक जैव विविधता पंजियों का निर्माण व"ा 2013–14 में कराया जाएगा।

क्षेत्र की सुरक्षा का कार्य व"ा 2014–15 के व"ाा ऋतु ¼जुलाई 2014½ से लेकर आगमी 3 व"ाों तक कराया जायेगा।